नसीबो से ज्यादा | by Raj Pareek

बिन पानी के नाव खे रहा है ।
वो नसीबों से ज्यादा दे रहा है ॥

भूखे उठते है पर भूखे सोते नहीं
दु:ख आते है हम पर तो रोते नहीं
दिन रात खबर ले रहा है ॥

मेरा छोटा सा घर महलो का राजा है वो
मेरी औक़ात क्या महाराजा है वो
फिर भी साथ मेरे रह रहा है ॥

बनवारी दीवाने बड़े से बड़े
इनके चरणों में कंकर के जैसे पड़े
फिर भी अर्ज़ी मेरी सुन रहा है ॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%b8%e0%a5%80%e0%a4%ac%e0%a5%8b-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a4%be-by-raj-pareek/